₹5

RNI No. JHAHIN/2014/63781
https://epaper.rashtrasamvad.com
www.rashtrasamvad.com

राष्ट्र संवाद

वर्ष 10, अंक : 32, 16 फरवरी से 23 फरवरी 2025, जमशेदपुर

आपका राष्ट्र, आपका संवाद : साप्ताहिक समाचार पत्र

महाकुंभ में महाजाम

कोई स्नान पर्व न होने पर भी प्रयागराज में सगंम स्नान के लिए देश के कोने-कोने से भीड़ उमड़ पड़ी है। ट्रेन से आने वाले यात्रियों को स्टेशन पर भारी भीड़ का सामना करना पड़ रहा है। वहीं निजी वाहनों और बसों से संगमनगरी पहुंचना काफी मुश्किल हो गया है। हालात यह है कि हर घंटे सात से आठ हजार वाहन प्रयागराज पहुंच रहे हैं। शहर को आने वाले सभी मार्गों पर कई किलोमीटर तक लंबी कतार लगी हुई है। लाखों लोग जाम में फंसे हुए हैं। जगह-जगह जाम में रुकने के बाद रेंग-रेंग कर वाहन आगे बढ़ रहे हैं। यातायात सुचारु करने के लिए सीमावर्ती सभी जिलों के साथ दूसरे राज्यों में भी वाहनों को डायवर्ट गया है। यहां से वापस हो रहे वाहनों की बड़ी संख्या से भी जगह-जगह जाम लग रहा है। अयोध्या, मिर्जापुर, जौनपुर, बनारस की सड़कों पर लंबा जाम है।

महाकुंभ में दूध, सब्जी व बोतल बंद पानी की आपूर्ति ठप

महाकुंभ मेला में वाहनों के प्रतिबंध के चलते आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बंद हो गई है। दूध, सब्जी व बोतल बंद पानी तक की आपूर्ति ठप हो गई है। दूध की सप्लाई बंद होने से कल्पवासियों से लेकर श्रद्धालुओं तक को हैरान-परेशान हो रहे हैं। प्रयागराज के झूंसी के अंदावा के कई पेट्रोल पंपों पर डीजल व पेट्रोल की भी किल्लत हो रही है। उनका कहना है की गाड़ी आ नहीं पा रही है इसलिए इसकी कमी हो रही है। कुछ पेट्रोल पंप पर पेट्रोल खत्म हो चुका है। पिछले कई दिनों से महाकुंभ मेला में उमड़ी भीड़ के चलते वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। आवश्यक वस्तुओं के वाहनों को भी मेला में नहीं जाने दिया जा रहा है। अमृत स्नान पर्वों पर तो वाहनों के प्रवेश पर रोक था मगर भीड़ के चलते यह प्रतिबंध अब बढ़ा दिया गया है। इसके कारण दूध तक आपूर्ति बंद हो गई है। सुबह और शाम विभिन्न दूध कंपनियों की ओर से सप्लाई की जाती थी मगर उनके वाहन नहीं आ पा रहे हैं।

अधिकतर पार्किंग स्थल हो गए फुल

प्रशासन ने भारी भीड़ के आगमन को देखते हुए प्रयागराज को जोड़ने वाले सभी सातों प्रमुख मार्गों पर पहले 102 पार्किंग स्थल बनाए गए थे। तीन अमृत स्नान खत्म होने के बाद प्रशासन ने पार्किंग स्थल की संख्या घटाकर 36 कर दिया है। वहीं, वसंत पंचमी के बाद भी श्रद्धालुओं का रेला रुका नहीं, जिसकी वजह से ज्यादातर पार्किंग स्थल फुल हो गए हैं। इससे सड़कों पर वाहनों का रेला लगने से जाम की स्थिति बनी हुई है।

समीपवर्ती जिलों से तालमेल की कमी

प्रयागराज में एंट्री लेने वाले गाड़ियों को बॉर्डर पर रोकने के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई है। इस वजह से प्रयागराज में आने वाली गाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रशासन व पुलिस की समीपवर्ती जिलों से तालमेल में भारी कमी की वजह से परेशानी बढ़ने लगी है।

वीवीआईपी प्रोटोकॉल से दिक्कत

महाकुंभ में हर दिन किसी न किसी वीवीआईपी का आगमन हो रहा है। उनकी फ्लीट को सुचारू रूप से निकालने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग लगाई गई है, जिसका सीधा असर प्रयागराज शहर के यातायात पर दिखाई दे रहा है।

भौगोलिक स्थिति से वाकिफ नहीं जवान

महाकुम्भ मेला और प्रयागराज जिले में जगह-जगह यातायात व सुरक्षा की दृष्टि से बाहरी पुलिस व पीएसी के अलावा अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। बाहरी पुलिस को यहां की भौगोलिक स्थिति की सही जानकारी नहीं है। श्रद्धालुओं द्वारा मार्ग पूछने पर जवानों का एक ही जवाब मिल रहा है – "धीरे-धीरे बढ़ते जाइए।" जबकि मेला प्रशासन ने दावा किया था कि सभी सुरक्षाकर्मियों को ट्रेनिंग के दौरान जरूरी जानकारी दी गई है।

प्रयागराज में एंट्री करते ही गाड़ियों की लंबी कतार

कुंभ में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। यही हाल सोमवार को दिखाई दे रहा है। रीवां-चित्रकूट, मीरजापुर, वाराणसी, जौनपुर, लखनऊ, प्रतापगढ़, कानपुर, कौशांबी मार्ग से हर घंटे हजारों वाहन प्रयागराज में प्रवेश कर रहे हैं और शहर अंदर एंट्री होते ही उनकी लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं।

वापसी में बढ़े वाहन, जाने वाली लेन में राहत

जाम व रेंगते वाहनों से कराह रहे कानपुर-प्रयागराज हाईवे में प्रयागराज से वापसी अधिक संख्या में होने कानपुर की ओर जाने वाली लेन पर भीड़ अधिक रही। प्रयागराज की ओर जाने वाली लेन में वाहनों की संख्या पिछले तीन दिनों की तुलना में आधे से भी कम हो गई। गाड़ियों की संख्या कम होने से फतेहपुर की सीमा में कहीं भी जाम की स्थित नहीं है। बड़ौरी व कटोघन टोल प्लाजा के पास से सामान्य यातायात निकलता रहा। सोमवार को वाहनों का दबाव कम होने से यातायात सामान्य चल रहा है।

देवानंद सिंह

मैतेई और कुकी समुदायों के बीच विश्वास बहाली को लेकर ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा देकर राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ लिया है। इस इस्तीफे के बाद राज्य में शांति की बहाली और अमन-चैन की स्थापना को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, यह इस्तीफा अपने आप में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, लेकिन यह सवाल भी उठता है कि क्या यह कदम मणिपुर के भीतर गहरे विश्वास और सांप्रदायिक तनाव को खत्म कर पाएगा? क्या बीरेन सिंह का इस्तीफा राज्य में शांति का वातावरण बनाने में मदद कर सकता है या यह केवल एक प्रतीकात्मक कदम साबित होगा?

मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह का इस्तीफा कुछ समय पहले लिया जा सकता था, जब राज्य में पहली बार संघर्ष और तनाव बढ़ने की खबरें आई थीं। यदि, उन्होंने पहले इस तरह का कदम उठाया होता, तो हो सकता है कि उन्हें जिम्मेदारी लेने का श्रेय मिलता, लेकिन अब जबकि हालात पूरी तरह से बिगड़ चुके हैं, यह कदम कोई ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पा रहा है। प्रदेश में जारी हिंसा और समाज के दोनों प्रमुख समुदायों – मैतेई और कुकी के बीच बढ़ते असंतोष के बीच यह इस्तीफा शायद खुद को बचाने की एक रणनीति से ज्यादा कुछ नहीं लगता।

मणिपुर में राजनीतिक संकट और सांप्रदायिक संघर्षों ने राज्य को इस हद तक घेर लिया है कि अब यह सवाल महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या इस्तीफा देने से स्थिति में बदलाव आएगा। राज्य के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद क्या असली सुधार होगा, यह देखने वाली बात होगी। दरअसल, इस इस्तीफे के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मणिपुर में शांति स्थापित की जा सकती है, जहां विभिन्न समुदायों के बीच अविश्वास की गहरी खाई बन चुकी है।

मणिपुर के भीतर सांप्रदायिक तनाव मुख्य रूप से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच बढ़ी हुई दूरियों से उत्पन्न हुआ है। कुकी समुदाय की ओर से अलग प्रदेश की मांग उठाई जा रही है, जबकि मैतेई समुदाय राज्य के विभाजन के खिलाफ खड़ा है। इस प्रकार, राज्य की राजनीतिक स्थिति जटिल हो गई है और कोई भी समाधान इस समय बहुत मुश्किल नजर आता है। दोनों समुदायों के बीच अविश्वास और संदेह की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि उसे भरने के लिए लंबे समय तक सुलह और समझौते की प्रक्रिया चाहिए। इस स्थिति में तत्काल शांति स्थापित करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। हालांकि, बीरेन सिंह का इस्तीफा एक सकारात्मक संकेत कहा जा सकता है कि सरकार अब इस दिशा में कदम उठाने के लिए तैयार है, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि दोनों समुदायों के बीच संवाद और विश्वास स्थापित किया जाए। इसके लिए दोनों समुदायों के नेताओं को अपने-अपने मतभेदों को दरकिनार करते हुए एक ऐसी नीति पर सहमति बनानी होगी, जो दोनों पक्षों की चिंताओं और अपेक्षाओं को समझे।

मणिपुर के वर्तमान संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि राज्य के विभिन्न गिरोहों ने सुरक्षा बलों के हथियार लूट लिए हैं, इससे स्थिति और भी बिगड़ गई है, क्योंकि लूटे गए हथियारों का इस्तेमाल हिंसा और संघर्षों को बढ़ावा देने के लिए होने की संभावना बढ़ जाएगी। जब तक इन हथियारों को वापस नहीं लिया जाता, तब तक राज्य में शांति की उम्मीद रखना मुश्किल है। यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि सुरक्षा बलों को पूरी तरह से सशक्त और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने के लिए तैयार किया जाए, ताकि दोनों पक्षों के बीच विश्वास की स्थिति बनी रहे।

इसका मतलब यह है कि पुलिस और सुरक्षा बलों की विश्वसनीयता पर काम करना होगा। दोनों ही समुदायों की ओर से आरोप लगाए गए हैं कि सुरक्षा बलों ने पक्षपाती रवैया अपनाया है, जिससे दोनों पक्षों के बीच गुस्सा और असंतोष बढ़ा है। इसलिए, सुरक्षा बलों की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना महत्वपूर्ण होगा।

बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद अब यह सवाल उठता है कि राज्य की सत्ता किसके हाथों में जाएगी। यह निर्णय मणिपुर के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। राज्य के चुनावी समीकरणों को देखते हुए, सत्ता में बदलाव का असर चुनावों पर भी पड़ेगा। मणिपुर में विधानसभा चुनाव अगले एक साल के भीतर होने हैं और ऐसे में किसी भी सरकार का चुनावी दृष्टिकोण राज्य में शांति और स्थिरता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकता है, हालांकि विधानसभा के बजट सत्र को स्थगित किए जाने के कारण अविश्वास प्रस्ताव की संभावना भी फिलहाल टल गई है, लेकिन इसके बावजूद राजनीति के इस दौर में यह देखना होगा कि राज्य में किस प्रकार की नेतृत्व क्षमता सामने आती है। क्या आने वाले मुख्यमंत्री के पास वह कड़ी नेतृत्व क्षमता होगी, जो इस तनावपूर्ण माहौल में शांति स्थापित कर सके?

बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में क्या स्थिति बनेगी, यह भी एक बड़ा सवाल है। राज्यपाल द्वारा विधानसभा सत्र को रद्द किए जाने के बाद, केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रपति शासन लागू करने की संभावना पर भी विचार किया जा रहा है। अगर, राष्ट्रपति शासन लागू होता है, तो राज्य में शांति स्थापित करने के लिए एक केंद्रीय नियंत्रण की आवश्यकता होगी, लेकिन इस फैसले के संभावित प्रभाव को लेकर भी विवाद हो सकते हैं, क्योंकि इससे राज्य की स्वायत्तता पर सवाल उठ सकते हैं।

रिश्तों में अश्लीलता घोलता सोशल मीडिया

ललित गर्ग

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता की गरिमा को आहत करने वाली अश्लील, अपमानजनक एवं विवादास्पद टिप्पणी करते हुए भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को धुंधलाने का घिनौना एवं अक्षम्य अपराध किया है। भले ही इस टिप्पणी के लिए माफी मांगी गयी हो, लेकिन रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गाट लैटेंट में एक प्रतियोगी से उसके माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए यह आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसको लेकर विवाद भड़क गया, लोगों के गहरा आक्रोश है। सामाजिककर्मियों के साथ-साथ विभिन्न दलों के राजनेता ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी सक्रिय हुआ है। इस शो में माता-पिता, महिलाओं और उनके शरीर के बारे में अभद्र एवं अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। इसलिये रियलिटी कामेडी शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर मुंबई पुलिस के साथ-साथ देश में अन्य स्थानों पर शिकायत दर्ज कराई गयी है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह रणवीर की थू थू हो रही है। हर कोई उनके खिलाफ आवाज उठा रहा है और जेल भेजने की मांग कर रहा है।

तथाकथित रणवीर इलाहाबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक फालोअर, इंस्टाग्राम पर 45 लाख से अधिक फालोअर और यूट्यूब चैनल पर 1.05 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। इलाहाबादिया उन ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में से एक हैं, जो ऐसे अश्लील एवं संस्कृति-विरोधी प्रदर्शन से करोड़ों रुपये भी कमाते है, जिन्हें पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार मिला था। पिछले दिनों उन्होंने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कई कैबिनेट मंत्रियों का साक्षात्कार लिया था। इसके अलावा साल 2022 में उनका नाम फोर्ब्स अंडर 30 एशिया लिस्ट में भी आया था। 22 साल की उम्र में रणवीर ने अपना पहला यूट्यूब चैनल शुरू किया था, आज वह सात चैनलों को चला रहे हैं। पाकिस्तान से भारत आये रणवीर इलाहाबादिया का पूरा नाम रणवीर सिंह अरोड़ा है। लेकिन लोग उन्हें रणवीर इलाहाबादिया के नाम से जानते हैं। माता-पिता पर विवादित कमेंट करने से पहले रणवीर इलाहाबादिया कई बार सोशल मीडिया पर बवाल मचा चुके हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके विवादास्पद बयानों की वजह से उन्हें एक बार जिम से भी बैन किया गया था। इतना ही नहीं, वो लड़कियों के कपड़ों पर भी विवादित कमेंट करने की वजह से हेडलाइन्स बटोर चुके हैं। लेकिन ऐसे विकृत सोच रखने वाले लोगों को ऐसे बड़े सम्मान मिलना भी अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है। क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का बेहूदा, आपत्तिजनक एवं अमर्यादित उपयोग है, यह रचनात्मकता नहीं है, यह विकृति है और ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो यह स्थिति भी है जिसमें इस खराब टिप्पणी को जिस तरह आम लोगों की जोरदार तालियां मिलीं। प्रश्न है कि आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? क्यों हम अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को धूमिल कर रहे हैं।

स्मार्टफोन आने के बाद से सोशल मीडिया का प्रयोग लगातार बढ़ता ही जा रहा है। और जैसे-जैसे इसका प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सकारात्मक के साथ-साथ इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नग्नता, अश्लीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्लील दृश्यों की भरमार हो रही है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म से होने वाली कमाई एक बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामान्य व्यक्ति के द्वारा अपना अकाउंट बनाकर ऐसा भी कंटेट अपलोड किया जा सकता है जिसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की कोई रोट टोक एवं पाबंदी नहीं है। इस प्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। समाज में पैसे का लोभ दिखाकर अश्लील शार्ट फिल्म और वेब सीरीज का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है। मोबाइल एप्स और ओटीटी वेब पोर्टल पर अश्लील एवं संस्कृति विरोधी कंटेंट निर्बाध रूप से होना सरकार की बड़ी नाकामी है। यही कारण है कि ऐसे सभी प्रकार के मोबाइल एप्स और वेब पोर्टल पर भी सरकारी नियंत्रण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

तकनीक के माध्यम से भारतीय युवा एवं किशोर पीढ़ी को अपने जीवन के प्रारंभ के समय से ही कामवासना के जाल में फंसाकर उनके जीवन को गौण बनाने एवं धुंधलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। युवा शक्ति राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। नैतिक मूल्यों के बिना ज्ञान न केवल बेकार हैं, बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हैं। यही कारण है कि हमारी युवापीढ़ी बड़ी दुविधा में है; उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिग्भ्रमित किया जाता है, जिससे वर्तमान भारतीय समाज न केवल प्रभावित होता है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऐसे अनेक प्रकार के अश्लील कंटेंट देखे जा सकते हैं जिसमें अश्लीलता के माध्यम से भारतीय परिवार व्यवस्था को नष्ट करने का काम भी षडयंत्रपूर्वक किया जा रहा है। जिसकी चर्चा समाज के भीतर प्रबुद्ध लोगों को करने की आवश्यकता है ताकि समय पर जागरूकता के साथ समाज और परिवार को गर्त में जाने से रोका जा सकता है।

दरअसल, साल 2021 में रणवीर इलाहाबादिया ने महिलाओं के कपड़ों पर सेक्सिएस्ट कमेंट किया था, जिसकी वजह से उस समय भी सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया था। इस दौरान उन्हें लोगों ने बुरी तरह से ट्रोल किया था। उन्होंने एक ट्वीट करते हुए लिखा था कि कुर्ती पहनने वाली महिलाएं, पुरुषों को घुटने टेकने पर मजबूर कर देती हैं। रणवीर की इस पोस्ट के कारण उन्हें महिलाओं का भारी विरोध झेलना पड़ा। बावजूद इसके वे नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों में लगातार संलग्न रहे हैं। जो व्यक्ति सनातन धर्म और आध्यात्मिकता की बात करता है और बड़ी हस्तियों को अपने शो में बुलाता है, वह ऐसी विकृत मानसिकता कैसे रख सकता है? शर्म जब बिकाऊ हो जाती है तब शर्म नहीं रहती, व्यापार हो जाती है। अभी तराजू के एक पलडे.में रुपया है और दूसरे पलडे.में नैतिकता, लज्जा, शालीनता, मूल्य और संस्कृति है। देह से जो पवित्र अभिव्यक्ति होती है, वह गायब है। देह को केवल चर्म मान लिया जाता है और चर्म का प्रदर्शन चर्म तक पहुंच गया है। बड़ी-बडी.कम्पनियां इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म के सहारे अपना अश्लील उत्पाद बेच रही हैं और यूट्यूब जैसे कार्यक्रमों को प्रायोजित कर रही हैं। उनके लिए सब कुछ रुपया है। जीवन मूल्यों एवं संस्कृति से कोई लेना-देना नहीं है। बहुत विस्फोटक स्थिति हो गई है। अगर ऐसे विकृत मानसिकता के लोगों की विकृति प्रसार की घटनाओं को नजरअंदाज किया गया तो अगली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। भारतीय संस्कृति को बचाने और लोगों को अच्छी चीजों के लिए प्रेरित करने के लिये सोशल मीडिया सशक्त माध्यम बन सकता है, लेकिन ऐसे रणवीर इलाहाबादिया से सोशल मीडिया को मुक्त करके ही यह संभव है।

सोशल मीडिया को नैतिक, मर्यादित एवं शालीन बनाने की जरूरत है। नैतिक मूल्यों का ह्रास होना नये भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत की एक बड़ी बाधा है।

क्योंकि अधिकांश युवा पीढ़ी धीरे-धीरे नैतिक मूल्यों की अवहेलना कर रही हैं। यही कारण आप अपने माता-पिता के बारे में किस तरह की बातें शेयर कर रहे हैं? क्या ये कॉमेडी है? ये बिल्कुल भी कॉमेडी नहीं है। ये स्टैंड-अप कॉमेडी नहीं हो सकती। लोगों को गाली देना सिखाना, अश्लीलता परोसना, नारी की अस्मिता को कुचलना एवं माता-पिता की छवि को धुंधलाना ऐसी विकृतियां हैं जो देश को संस्कृति-विहीन बनाती है, कमजोर करती है।

कला संस्कृति, पर्यटन खेलकूद एवं युवा मामले विभाग के मंत्री श्री सुदिव्य कुमार ने फ्लैगऑफ कर डाइविंग फेस्टिवल का शुभारंभ किया।

जमशेदपुर में स्काई डाइविंग फेस्टिवल 2025 का शुभारंभ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

झारखंड पर्यटन के तत्वावधान में स्काई ड्राइविंग फेस्टिवल 2025 का शुभारंभ हुआ। कला संस्कृति, पर्यटन, खेलकूद एवं युवा मामले विभाग के मंत्री श्री सुदिव्य कुमार ने फ्लैगऑफ कर डाइविंग फेस्टिवल का शुभारंभ किया। सोनारी एयरपोर्ट जमशेदपुर में इस अवसर पर मंत्री ने कहा झारखंड सरकार पर्यटन विभाग साहसिक खेल तथा पर्यटन के नए क्षेत्र में काम करने के लिए कृत संकल्पित है। झारखंड राज्य न केवल खनिज संपदा में समृद्ध है बल्कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता (इकोलॉजी), विविध धार्मिक-सांस्कृतिक- ऐतिहासिक विरासत तथा साहसिक खेलों एवं पर्यटन की अपार संभावना है। राज्य सरकार डीजीसीए के गाइडलाइन एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप जमशेदपुर में स्काई डाइविंग का आयोजन कर रही है। नई संभावनाओं के साथ नए स्पॉट की पहचान कर राज्य में धार्मिक पर्यटन, प्राकृतिक पर्यटन एवं साहसिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। पर्यटन में नई संभावनाओं के तहत् किरीबुरू में खनन टूरिज्म, स्काई डाइविंग, मोटर /पारा्लाइडिंग, रॉक क्लाइंबिंग एवं अन्य साहसिक खेलों को राज्य सरकार बढ़ावा देने का काम करेगी। पर्यटन के विकास से राज्य के स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ-साथ पर्यटन के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान मिलेगी। पर्यटन नीति से नए निवेश तथा राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। पर्यटन सचिव श्री मनोज कुमार ने कहा जमशेदपुर में 16 से 23 फरवरी 2025 7 दिनों तक स्काई डाइविंग सोनारी एयरपोर्ट में हो रहा है। डीजीसीए के दिशा निर्देश एवं सुरक्षा मानकों के अनुसार यह आयोजन किया जा रहा है। ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से प्रतिभागी स्काई डाइविंग फेस्टिवल में शामिल हो सकते हैं। उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल ने इस अवसर पर कहा जमशेदपुर में स्काई डाइविंग फेस्टिवल 2025 का आयोजन होना ज़िला के लिए गर्व की बात है। लोगों का इस आयोजन के लिए उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री, पर्यटन विभाग के सचिव के अलावा पर्यटन निदेशक श्रीमती अंजली यादव, उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कौशल किशोर, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री अनिकेत सचान, अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती शताब्दी मजूमदार, सिटी एसपी श्री कुमार शिवशीष सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावा: मंत्री

मौके पर राज्य के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि झारखंड में पर्यटन के क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है. उसमें से एक स्काई डाइविंग भी है. मंत्री ने आगे कहा कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र को इस तरह की सुविधाएं विकसित की जाएंगी. उन्होंने बताया की मेक माई ट्रिप के साथ एएमयू कर पर्यटन को डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए बढ़ावा देने का प्रयास है, ताकि दूसरे राज्य से आने वाले पर्यटकों को झारखंड में कोई परेशानी ना हो.

मंत्री ने कहा कि जमशेदपुर झारखंड का एकमात्र शहर है जो मेट्रो सिटी की तर्ज पर बसा है .यहां विभिन्न प्रदेशों के लोग रहते हैं. उन्होंने कहा कि इस तरह के नए प्रयास को काफी स्पोर्ट मिला है. आगामी बजट में पर्यटन पर विशेष चर्चा होगी. वहीं पर्यटन मंत्री ने बताया की माइनिंग टूरिज्म के लिए सेल से वार्ता की जा रही है. सेल के कुछ माइंस को पर्यटक देख सकें इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं.

'राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं'

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में अन्य स्थानों पर भी इस तरह का आयोजन किया जाएगा. राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं. सरकार ने राज्य में माइनिंग टूरिज्म को भी बढ़ावा देने की योजनाएं तैयार की हैं. इसके तहत अलग-अलग जगहों पर स्थित माइन्स को आम लोगों के लिए खोला जाएगा.

23 फरवरी तक चलेगा स्काई डाइविंग फेस्टिवल

16 फरवरी 2025 से 23 फरवरी 2025 तक स्काई डाइविंग फेस्टिवल सोनारी एयरपोर्ट पर चलेगा. रोमांच से भर देने वाले इस एडवेंचर के जरिए 10000 फीट तक की ऊंचाई से पैराशूट के साथ छलांग लगाने का अवसर मिलेगा. इस एडवेंचर के लिए ऑनलाइन फार्म भरने की प्रक्रिया है. जिसमें शुल्क भी लगेगा. 18 वर्ष से अधिक उम्र वाले इस एडवेंचर का आनंद ले सकते हैं. स्काई डाइविंग के पहले दिन 50 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है.

स्काई डाइविंग के लिए कम से कम 16 साल है उम्र

'स्काई हाई इंडिया' के सहयोग से हो रहे इस आयोजन में प्रतिभागी 10 हजार फीट की ऊंचाई से पैराशूट के साथ छलांग लगाने का रोमांच महसूस कर रहे हैं. इस रोमांचक अनुभव का हिस्सा बनने के लिए न्यूनतम आयु 16 वर्ष निर्धारित की गई है. रोमांचक स्काई डाइविंग के लिए अब तक 50 से अधिक लोगों ने बुकिंग कराई है. बुकिंग वेबसाइट के जरिए की जा सकती है. एक बार स्काई डाइविंग के लिए 28,000 रुपये की फीस निर्धारित की गई है.

उदघाटन के दौरान पर्यटन मंत्री व साथ में अन्य.

मीडिया कप क्रिकेट : हुडको और दलमा ने की जीत से शुरुआत

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर । प्रेस क्लब ऑफ जमशेदपुर के तत्वावधान में सोमवार को शुरू हुए मीडिया कप क्रिकेट में हुडको एकादश और दलमा एकादश ने जीत से शुरुआत की। कीनन स्टेडियम में खेले गए मैच में हुडको एकादश ने सुवर्णरेखा एकादश को दस विकेट से हराया। सुवर्णरेखा एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में चार विकेट पर 137 रनों का स्कोर खड़ा किया। रणधीर ने 28 गेंदों पर 38 रन, आनंद कुमार ने 28 गेंदो पर 28 रन जोड़े। शुभदर्शी को दो सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए हुडको एकादश ने बिना कोई विकेट खोए 11 ओवर में 138 रन बनाकर मैच जीत लिया। शुभदर्शी ने 31 गेंदो पर 62 रन और आशुतोष ने 33 गेंदो पर 61 रन बनाए। शुभदर्शी को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। दूसरे मैच में दलमा एकादश ने खरकई एकादश को 19 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दलमा एकादश ने प्रसेनजीत के 33 गेंदो पर लगाए गए 51 रन और मधुसूदन के 14 गेंदों पर ताबडतोड़ 31 रनों की बदौलत 15 ओवर में पांच विकेट पर 146 रनों का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए खरकई एकादश की टीम 15 ओवर में छह विकेट पर 127 रन ही बना सकी। खरकई एकादश की ओर से मो वसीम ने 33 गेंदो पर 53 रन और कप्तान मो अकबर ने 24 गेंदो पर 23 रन जोड़े। उद्घाटन समारोह में उपायुक्त अनन्य मित्तल, एसएसपी किशोर कौशल, टाटा स्टील यूएसआईएल के एमडी रितुराज सिन्हा, कारपोरेट कम्युनिकेशन के चीफ सर्वेश कुमार और हेड राजेश राजन, समाजसेवी शेखर डे के अलावा इंटरनेशनल क्रिकेटर सौरभ तिवारी भी मौजूद थे। बाद में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास विधायक संजीव सरदार, मंगल कालिंदी, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता समेत कई नेता पहुंचे।

ब्रीफ

अनियंत्रित हाइवा ने बाइक सवार दम्पति की ली जान

जमशेदपुर । बागबेड़ा थाना अंतर्गत रेल एसपी कार्यालय के समीप केंद्रीय विद्यालय जाने के मार्ग पर शनिवार की रात करीब 8:10 बजे के आसपास अनियंत्रित हाइवा संख्या JH 05CY- 2776 ने बाईक सवार दम्पति को रौंद दिया जिससे दंपत्ति की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने हाईवा को पकड़ लिया और सड़क जाम कर दिया है. समाचार लिखे जाने तक हंगामा जारी है. मिली जानकारी के अनुसार अमृत दंपति परसुडीह के प्रमुख नगर के रहने वाले हैं. बताया जा रहा है की बाइक संख्या की JH 05M- 1729 पर सवार होकर दोनों पति- पत्नी कहीं जा रहे थे. इसी दौरान नो एंट्री लगे होने के बाद भी हाईवा तेज रफ़्तार से उक्त मार्ग से गुजर रहा था. तभी बाईक सवार को अपनी चपेट में ले लिया जिससे हेलमेट पहने होने के बाद भी दोनों की मौत हो गई. घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस आक्रोषित लोगों को समझाने में जुटी है मगर लोगों का आक्रोश इस कदर भड़का हुआ है कि वह मानने को तैयार नहीं है

विधायक सरयू ने जूस पिलाकर अमरेश का अनशन तुड़वाया

जमशेदपुर। जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने अनशन पर बैठे अमरेश कुमार का अनशन तुड़वाया। उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि जिस कारण को लेकर वह अनशन कर रहे हैं, उस कारण के आलोक में उनकी उपायुक्त से बात हुई है। उपायुक्त ने इस संबंध में एसडीओ को जिम्मेदारी दी है। एसडीओ से कल सरयू राय मिलेंगे। टेल्को थाना अंतर्गत जेम्को मछुआ बस्ती के पास बरिघोड़ा निवासी कृष्ण शर्मा (40) और उनकी बेटी अंजली शर्मा (19) की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई और उनका बेटा विक्की शर्मा (18) गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका इलाज एमजीएम अस्पताल में चल रहा है। इसी मुद्दे को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था व जनसमस्याओं को ठीक करने के लिए अमरेश कुमार गुरुवार से अनशन पर बैठे थे। शुक्रवार को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय अमरेश कुमार से मिले और उन्हें आश्वस्त किया कि ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए वह प्रशासन से बात करेंगे। सरयू राय ने कहा कि सड़कों से भारी वाहन हटाना ही समाधान है। वहीं से उन्होंने एक वरीय पदाधिकारी को फोन किया और कहा कि परिवार बहुत गरीब है इनकी हरसंभव मदद करें।

शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटना पर क्षेत्र के नागरिकों ने जिला उपायुक्त अनन्य मित्तल से की मुलाकात

पूर्णिमा साहू के पहल पर प्रतिनिधिमंडल ने छह प्रमुख मांगो पर ज्ञापन सौंपकर ठोस समाधान की मांग की

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। गोविंदपुर अन्ना चौक से टाटा पॉवर प्लांट, नुवोको सीमेंट कंपनी एवं टाटा मोटर्स के साउथ गेट होते हुए जेम्को शहीद भगत सिंह चौक तक सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में खड़े भारी वाहन एवं ट्रेलर जानलेवा साबित हो रहे हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से कई लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। आम जनता और दो पहिया वाहन चालकों के लिए यह रास्ता किसी जंजाल से कम नहीं रह गया है।

जनहित के इन समस्या को लेकर जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू के पहल पर जमशेदपुर प्रखंड प्रमुख पानी सोरेन एवं जमशेदपुर पूर्वी के विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव के नेतृत्व में भाजपा एवं आजसू नेताओं के संग क्षेत्रवासियों ने उपायुक्त अनन्य मित्तल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े ट्रेलरों और भारी वाहनों के कारण पैदल चलने वालों, स्कूल जाने वाले बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस सड़क मार्ग पर कई बड़ी दुर्घटनाएं हुई हैं, जिसमें लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। ज्ञापन सौंपने के दौरान गोविंदपुर, राहरगोड़ा, बारीगोड़ा, जोजोबेरा एवं जेम्को क्षेत्र के नागरिकों ने एक स्वर में प्रशासन से ठोस कदम उठाने की मांग की। इस दौरान सभी ने कहा कि यदि जल्द ही कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो सभी नागरिकगण बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

इस दौरान जिला परिषद सदस्य कुसुम पूर्ति, भाजपा गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, भाजपा बर्मामाइंस मंडल अध्यक्ष सूरज सिंह, कमलेश सिंह, संजय सिंह, हेमंत खलखो, संतोष सिंह, अजय कुमार सिंह, रामबिलास शर्मा, अरविंद सिंह समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला उपायुक्त को सौंपे गए ज्ञापन में प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखी गईं प्रमुख मांगें

नो पार्किंग लागू किया जाए: गोविंदपुर अन्ना चौक से लेकर जेम्को शहीद भगत सिंह चौक तक सड़क के दोनों ओर खड़े ट्रेलरों और भारी वाहनों की पार्किंग पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। साथ ही, स्नो पार्किंगर के बोर्ड लगाए जाएं।

गति सीमा तय की जाए: भारी वाहनों की अधिकतम गति सीमा 20 किमी/घंटा निर्धारित की जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

धूल-मिट्टी की सफाई हो: नुवोको सीमेंट प्लांट से निकलने वाले हाईवा ट्रकों के कारण सड़क पर जमा धूल-मिट्टी को नियमित रूप से साफ कराया जाए, ताकि सड़क पर धूल और फिसलने से होने वाली दुर्घटनाएं रोकी जा सकें।

सड़क पर लाइट की व्यवस्था हो: टाटा मोटर्स, नुवोको सीमेंट प्लांट और पावर प्लांट द्वारा सड़क पर समुचित लाइट की व्यवस्था की जाए, विशेषकर बारीगोड़ा, जोजोबेरा, रहरगोड़ा, बामनगोड़ा और गदड़ा से गोविंदपुर तक, ताकि रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बाईपास कॉरिडोर का निर्माण हो : अन्ना चौक गोविंदपुर से थीम पार्क होते हुए हाईवे तक एक बाईपास कॉरिडोर का निर्माण शीघ्र किया जाए, ताकि भारी वाहनों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

जनहित में कार्य करें कंपनियां: टाटा मोटर्स, नुवोको सीमेंट प्लांट एवं पावर प्लांट को लोकहित में कार्य करने हेतु निर्देशित किया जाए, ताकि सड़क की व्यवस्था सुचारु हो सके और दुर्घटनाओं से बचाव किया जा सके।

नॉमिनी को रोजगार नहीं तो, ताम्र अयस्क झारखंड से बाहर नहीं लें जाने देंगे : जेसएस

घाटशिला। संवाददाता

झारखंड श्रमिक संघ अध्यक्ष ने हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड मऊभंडार के कार्यपालक निदेशक के नाम ज्ञापन सौंपा । जानकारी हो कि पिछले 20 जुलाई को ज्ञापन झारखंड श्रमिक संघ द्वारा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के प्रबंधक को दिया गया था जिसमें नोमिनी मजदूरों को महीने में 26 दिन काम, पूर्व में काम किए नौमीनियों को काम पर लेना, एवं मजदूरों को सुरक्षा कीट उपलब्ध कराने के संबंध मे कहां गया था लेकिन प्रबंधक द्वारा इस पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। केंद्रीय एवं राज्य सरकार की प्रयास से हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की माइंस सुचारू रूप से चल रही है एवं माइंस के विभिन्न क्षेत्र में कार्य करने हेतु मजदूरों की जरूरत पड़ेगी। उस जगह पर सभी नॉमिनी साथियों को लिया जाए। पूर्व में मजदूर हित में मंत्री रामदास सोरेन एवं सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा था कि मऊभंडार के मजदूर को कार्य दिए बिना तांबा अयस्क की एक भी दाना बाहर जाने नहीं दिया जाएगा। आज से अगले 15 दिनों के अंदर सभी विषयों पर प्रबंधक निर्णय ले ताकि औद्योगिक क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे और मजदूरों को अपना हक मिले।

कार्यपालक निदेशक की अनुपस्थिति में ज्ञापन एच आर हेड अर्जुन लोहारा के हाथों सोपा गया उनके साथ सुमित एकका एवं ज्ञापन सौंपने वालों में संघ अध्यक्ष काजल डन, मृत्युंजय यादव, प्रताप दास, कमल दास,शंभू जेना, मदन मुर्मू मंटू माहली, आजाद बेहरा उपस्थित थे।

स्व . सोना देवी की स्मृति में राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में नेत्र शिविर का समापन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। सोना देवी मेमोरियल एजुकेशनल फाउण्डेशन ट्रस्ट एवं सोना देवी युनिवर्सिटी के संयोजन में स्व. सोना देवी की स्मृति में बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में आयोजित नेत्र शिविर का समापन नेत्र रोगियों के विदाई के साथ हो गया। रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से आयोजित नेत्र शिविर के तीसरे व अंतिम दिन जाने माने नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम ने मोतियाबिन्द ऑपरेशन कराये 37 नेत्र रोगियों के आंखों की पट्टी खोलकर अंतिम जांच किया, जिसके पश्चात रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह के साथ रेड क्रॉस कार्यकर्ता राकेश मिश्र, चन्द्रनाथ सरकार, आशीष सिंह, अशोक कुमार सिंह, अशोक कुमार घोषाल ने नेत्र रोगियों को काला चश्मा पहनाया व दवा प्रदान किया। रेड क्रॉस कार्यकर्ता श्याम कुमार ने नेत्र रोगियों को आंखों की देखभाल के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान किया। रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह ने बताया कि रेड क्रॉस का 760वां नेत्र शिविर स्व. कलावती देवी भाउका-स्व. बैजनाथ भाउका के पुण्य स्मृति में रेड क्रॉस सदस्य व समाजसेवी सत्यनारायण मुरारी लाल भाउका के संयोजन में 22 से 24 फरवरी तक आयोजित किया जायेगा।

एचएलएम बंधुओं के वाहन खुलें में पत्थर लाद सड़को पे दौड़ती सरपट सरपट हाइवा

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन राहगीरों के लिए मौत का फरमान

कभी भी घट सकती है दुर्घटना जिम्मेदारी किसकी ?

राष्ट्र संवाद संवाददाता, संजय कुमार

चांडिल एच. एल.एम.बंधुओं के हाइवा वाहन खुलेआम पत्थर लाद कर, राहगीरों के लिए मौत का फरमान लेकर सरपट सरपट दौड़ रही है ? कोल्हान पत्थर उद्योग के किंगपीन में सुमार एच. एल.एम. बंधुओं की हाईवा गाड़ियां ट्रैफिक नियमों की अनदेखी कर रही हैं। खुले डाले में पत्थर लादकर तेज रफ्तार से दौड़ती ये गाड़ियां सड़क पर मौत का फरमान बन गई हैं।

प्रखंड सह अंचल जाना जान आफ़त से कम नहीं. प्रखंड सह अंचल मार्ग में बेतरतीब ढंग से एच.एल. एम ,यानी हरे लाल बंधुओं के हाइवा वाहनों द्वारा कटिया स्थित पत्थर खदान से हरे लाल महतो कैशर तक करीब 10 किलोमीटर के व्यस्त मार्ग पर यात्री ऑटो,मझौले वाहन, बाइक और साइकिल सवारों की जान जोखिम में है।

ट्रैफिक पुलिस के नजरों के सामने सारा खेल. जबकि राह में पड़ने वाले चांडिल गोलचक्कर पर रोजाना(छुटी छोड़कर) जांच अभियान चलाते जिला ट्रैफिक पुलिस की नजरों के सामने से वाहनों का आना जाना धड़ल्ले से जारी है.

हाईवा वाहनों पर बड़े-बड़े बोल्डर पत्थर बिना डाला लगाए, बिना सुरक्षा उपायों के लादे जा रहे हैं। कभी भी दुर्घटना होने और पत्थर गिरने का खतरा बना हुआ है, जिससे राहगीरों की जान-माल को नुकसान पहुंच सकता है।

जिला परिवहन पदाधिकारी का आश्वासन. जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो को संज्ञान में दिए जाने पर बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि खुले डाले में पत्थर परिवहन हो रहा है। उन्होंने इसे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन बताया और जांच का आश्वासन दिया. वहीं, हरे लाल महतो बंधुओं की इस लापरवाही पर प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग उठने लगी है।

चांडिल पुलिस प्रशासन का कहना है कि ट्रैफिक के लिए ट्रैफिक पुलिस अपना काम कर रही है.

सरायकेला के गम्हरिया प्रखंड में डीएसडी के मनमानी से डीलरों तक समय पर नहीं पहुंच रहा है खाद्यान्न

विभाग के अधिकारियों को नहीं है सुध, बोले सीओ किया जाएगा शोकॉज

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सरकारी अनाजों को गोदाम से डीलर तक पहुंचाने में डीएसडी यानी डोर स्टेप डिलीवरी संवेदक की बड़ी भूमिका है. मगर जरा सोचिए यिद डीएसडी लापरवाही बरते तो इसका खामियाजा किसे भुगतना पड़ेगा. जाहिर सी बात है इसका खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना होगा मगर हैरानी की बात ये है कि इसकी जानकारी न तो एमओ को है न विभाग के बड़े बाबुओं को. मामला सरयाकेला जिले के गम्हरिया प्रखंड का है. जहां गोदाम में अनाज भरा होने के बाद भी डीएसडी की लापरवाही या यूं कहें मनमानी से गोदाम से अनाज डीलरों तक तय समय से नहीं पहुंच पाता. नतीजतन उपभोक्ताओं को समय पर राशन नहीं मिल पाता जिससे न केवल विभाग बल्कि सरकार की भी किरकिरी हो रही है. ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर विभाग के बाबू किस निद्रा में सोए हैं. जब हमारी टीम ने पड़ताल किया तो बेहद ही चौंकाने वाला मामला प्रकाश में आया. बता दे कि एग्रीमेंट के मुताबिक गम्हरिया प्रखंड के लिए डीएसडी को 16 गाड़ियों से अनाज डीलरों तक पहुंचाना है मगर पिछले कई महीनो से एक या दो गाड़ी से खाद्यान्न का उठाव हो रहा है. इस माह का अनाज डीलरों तक 20 प्रतिशत भी नहीं पहुंचा है. डीएसडी विनोद प्रधान द्वारा मात्र तीन गाड़ियों से अनाज डीलरों तक पहुंचाया रहा है. उन गाड़ियों में ना तो जीपीएस ही लगा है और ना ही इलेक्ट्रॉनिक कांटा रहता है. गोदाम से निकलने वाले अनाज गाड़ियों सहित वजन धर्म कांटा में किया जाता है जो कि नियम के विरुद्ध है. डीएसडी को डीलरों के दुकान में भार मापक यंत्र से प्रत्येक बोरा अनाज का वजन करके देने का प्रावधान है, लेकिन उनके द्वारा ऐसा नहीं किया जाता है. इसका कारण डीएसडी की ऊपर तक पहुंच को बताया जाता है. अगर कोई डीलर इसका विरोध करता है तो उसे धमकी भी दी जाती है.

अधर में लटकी जलापूर्ति योजना, लोगों को छह साल से पानी का इंतजार

चक्रधरपुर में 49 करोड़ रुपये से शुरू होनी थी जलापूर्ति योजना

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गर्मी ने दस्तक दे दी है. शहरवासियों को पेयजल संकट की चिंता सताने लगी है. चक्रधरपुर में शहरी जलापूर्ति योजना आजतक पूरी नहीं हो पायी है. शहरवासी छह साल बाद भी राह देख रहे हैं. 25 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी पानी कहां से लाकर सप्लाई की जायेगी इसपर आज भी असमंजस बना है. 15 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी हो चुकी है. सोनुआ प्रखंड के पनसुवां डैम से पानी लाया जाना था, पर पनसुवा व आसपास के ग्रामीणों के विरोध के बाद 49 करोड़ की योजना पर ग्रहण लग गया है.

जुस्को से कराया जा रहा था काम : नगर विकास विभाग द्वारा चक्रधरपुर शहरी क्षेत्र को जलापूर्ति के लिए योजना बनायी गयी है. इसे धरातल पर उतारने के लिए जुस्को कंपनी द्वारा वर्ष 2017 से काम किया जा रहा है. इसके लिए सिलफोड़ी पंचायत के पुसालोट में विभाग द्वारा 6 करोड़ से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनकर तैयार है. इसके बाद भी योजना का निर्माण कार्य बंद पड़ा है. योजना चालू होने से चक्रधरपुर के एक लाख से अधिक लोगों को लाभ मिलता.

25 करोड़ रुपये हो चुके खर्च. जुस्को द्वारा शहर के दो स्थानों पर जलमीनार और पाइप लाइन का काम कर दिया है. अब तक इस योजना में 25 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हो चुके हैं. सोनुआ रोड स्थित पुसालोटा में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है. शहर में जलापूर्ति के लिए चार में दो जलमीनार पूर्ण हो चुका है. पाइपलाइन का काम भी लगभग पूरा हो चुका है. इसके बावजूद योजना अधर में लटकी है.

शहर में 50 किमी तक बिछ चुकी है पाइपलाइन

इस योजना को पूरा करने में विभाग कोई सकारात्मक पहल नहीं कर रही है. जनप्रतिनिधियों का भी कोई ध्यान नहीं है. इस कारण यह योजना छह साल से अधूरी पड़ी है. इस योजना को लेकर शहर के पास से गुजरने वाली संजय नदी से पानी मिलने की उम्मीद है. इस पर विभाग कितनी पहल करती है, इंतजार करने की जरूरत है. चक्रधरपुर शहरी जलापूर्ति योजना के लिए शहर में करीब 50 किलोमीटर तक पाइपलाइन बिछ चुकी है. शहरी जलापूर्ति योजना के पाइप जहां-तहां धूल फांक रहे हैं.

आईपीएल कार्यक्रम जारी, 65 दिनों में खेले जायेंगे 74 मैच उद्घाटन-फाइनल इडेन में

देश के 13 शहरों में खेले जायेंगे आइपीएल के मैच

नयी दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें 22 मार्च से 13 आयोजन स्थलों पर 74 मुकाबले खेले जायेंगे. इस दौरान तीन फ्रेंचाइजी अपने कम से कम दो घरेलू मैच अपने दूसरे निर्धारित घरेलू मैदान पर खेलेंगी. आइपीएल के 2025 सत्र की शुरुआत 22 मार्च को इडेन गार्डेंस में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबले के साथ होगी और इसका समापन 25 मई को इसी स्थल पर होगा. प्रतियोगिता के दौरान 12 दिन दो मैच खेले जायेंगे. टूर्नामेंट 65 दिन चलेगा, जिसके मुकाबले 13 स्थानों पर आयोजित किए जायेंगे, जिसमें धर्मशाला, गुवाहाटी और विशाखापत्तनम में कम से कम दो-दो आइपीएल मुकाबलों का आयोजन होगा. जैसा कि पहले भी होता रहा है मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के साथ धर्मशाला पंजाब किंग्स का दूसरा घरेलू स्थल होगा जबकि राजस्थान रॉयल्स जयपुर के अलावा गुवाहाटी में अपने घरेलू मुकाबले खेलेगी. दिल्ली कैपिटल्स का दूसरा घरेलू स्थल विशाखापत्तनम होगा और वे 24 मार्च को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपना लीग अभियान यहीं से शुरू करेंगे. गुवाहाटी और विशाखापत्तनम दो-दो मैच की मेजबानी करेंगे, जबकि धर्मशाला में तीन मैच होंगे.

हैदराबाद के साथ कोलकाता में प्लेऑफ चरण

लीग चरण के बाद हैदराबाद और कोलकाता में प्लेऑफ का आयोजन किया जायेगा. हैदराबाद 20 मई और 21 मई को क्रमशः पहले क्वालीफायर और एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा, जबकि 23 मई को दूसरा क्वालीफायर कोलकाता में होगा.

डबल हेडर का पहला मैच दोपहर 3.30 बजे से होगा, बाकी सभी मैच शाम 7.30 बजे से आयोजित किये जायेंगे.

घरेलू मैदान पर सात मुकाबले खेलेगी लखनऊ सुपरजाइंट्स

लखनऊः इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का रोमांच एक बार फिर लखनऊ वासियों के सिर चढ़कर बोलेगा। आगामी 22 मार्च को शुरू हो रहे आईपीएल के अगले सत्र में लखनऊ सुपरजाइंट्स (एलएसजी) अपने घरेलू मैदान पर सात मुकाबले खेलेगी। एलएसजी की ओर से यहां जारी एक बयान के मुताबिक पिछले दो वर्षों की तरह इस बार भी एलएसजी अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में सात घरेलू मैच खेलेगी। इनमें से मुंबई इंडियंस (एमआई), चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले भी शामिल हैं। पहली बार लखनऊ सुपरजाइंट्स की कप्तानी कर रहे भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत की अगुवाई वाली एलएसजी लखनऊ में अपना पहला मुकाबला आगामी एक अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी। इसके अलावा चार अप्रैल को मुंबई इंडियंस से, 12 अप्रैल को गुजरात टाइटंस से, 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स, 22 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स, नौ मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलौर और 18 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर दो-दो हाथ करेगी। लखनऊ सुपरजाइंट्स के मेंटर जहीर खान ने कहा, ऋऋषभ पंत की कप्तानी के साथ टीम के पास डेविड मिलर, एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, मयंक यादव, आवेश खान और रवि बिश्नोई जैसे कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

बेंगलुरु-कोलकाता के बीच उद्घाटन मैच 22 मार्च को

इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत इस बार 22 मार्च को होगी. उद्घाटन मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होगा. आइपीएल में परंपरा रही है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग और फाइनल मैच डिफेंडिंग चैंपियन टीम के होमग्राउंड पर होता है, लेकिन इस बार कोलकाता के इडेन गार्डेंस स्टेडियम में होगा.

दो समूह के प्रारूप जारी रहेंगे

वर्ष 2022 में 10 टीम के टूर्नामेंट में विस्तार के बाद आइपीएल अपने दो समूह के प्रारूप के साथ जारी रहेगा. कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरू, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स को एक समूह में रखा गया है, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाइंट्स दूसरे समूह में हैं. प्रत्येक टीम अपने समूह की अन्य सभी टीम और दूसरे समूह की एक पूर्व निर्धारित टीम के साथ दो बार खेलेगी, जबकि दूसरे समूह की बाकी चार टीम के साथ एक बार खेलेगी.

शिड्यूल

22 मार्च	केकेआर बनाम आरसीबी, कोलकाता	19 अप्रैल	आरआर बनाम एलएसजी, जयपुर
23 मार्च	एसआरएच बनाम आरआर, हैदराबाद	20 अप्रैल	पीबीकेएस बनाम आरसीबी, न्यू चंडीगढ़
23 मार्च	सीएसके बनाम एमआइ , चेन्नई	20 अप्रैल	एमआइ बनाम सीएसके , मुंबई
24 मार्च	डीसी बनाम एलएसजी, विशाखापत्तनम	21 अप्रैल	केकेआर बनाम जीटी, कोलकाता
25 मार्च	जीटी बनाम पीबीकेएस, अहमदाबाद	22 अप्रैल	एलएसजी बनाम डीसी, लखनऊ
26 मार्च	आरआर बनाम केकेआर , गुवाहाटी	23 अप्रैल	एसआरएच बनाम एमआइ, हैदराबाद
27 मार्च	एसआरएच बनाम एलएसजी, हैदराबाद	24 अप्रैल	आरसीबी बनाम आरआर, बेंगलुरु
28 मार्च	सीएसके बनाम आरसीबी, चेन्नई	25 अप्रैल	सीएसके बनाम एसआरएच, चेन्नई
29 मार्च	जीटी बनाम एमआइ, अहमदाबाद	26 अप्रैल	केकेआर बनाम पीबीकेएस, कोलकाता
30 मार्च	डीसी बनाम एसआरएच, विशाखापत्तनम	27 अप्रैल	एमआइ बनाम एलएसजी , मुंबई
30 मार्च	आरआर बनाम सीएसके, गुवाहाटी	27 अप्रैल	डीसी बनाम आरसीबी, दिल्ली
31 मार्च	एमआइ बनाम केकेआर, मुंबई	28 अप्रैल	आरआर बनाम जीटी, जयपुर
एक अप्रैल	एलएसजी बनाम पीबीकेएस, लखनऊ	29 अप्रैल	डीसी बनाम केकेआर, दिल्ली
दो अप्रैल	आरसीबी बनाम जीटी, बेंगलुरु	30 अप्रैल	सीएसके बनाम पीबीकेएस, चेन्नई
तीन अप्रैल	केकेआर बनाम एसआरएच, कोलकाता	एक मई	आरआर बनाम एमआइ, जयपुर
चार अप्रैल	एलएसजी बनाम एमआइ, लखनऊ	दो मई	जीटी बनाम एसआरएच, अहमदाबाद
पांच अप्रैल	सीएसके बनाम डीसी , चेन्नई	तीन मई	आरसीबी बनाम सीएसके, बेंगलुरु
पांच अप्रैल	पीबीकेएस बनाम आरआर, न्यू चंडीगढ़	चार मई	केकेआर बनाम आरआर, कोलकाता
छह अप्रैल	केकेआर बनाम एलएसजी , कोलकाता	चार मई	पीबीकेएस बनाम एलएसजी , धर्मशाला
छह अप्रैल	एसआरएच बनाम जीटी, हैदराबाद	पांच मई	एसआरएच बनाम डीसी, हैदराबाद
सात अप्रैल	एमआइ बनाम आरसीबी, मुंबई	छह मई	एमआइ बनाम जीटी, मुंबई
आठ अप्रैल	पीबीकेएस बनाम सीएसके, न्यू चंडीगढ़	सात मई	केकेआर बनाम सीएसके, कोलकाता
नौ अप्रैल	जीटी बनाम आरआर, अहमदाबाद	आठ मई	पीबीकेएस बनाम डीसी, धर्मशाला
10 अप्रैल	आरसीबी बनाम डीसी, बेंगलुरु	नौ मई	एलएसजी बनाम आरसीबी, लखनऊ
11 अप्रैल	सीएसके बनाम केकेआर , चेन्नई	10 मई	एसआरएच बनाम केकेआर, हैदराबाद
12 अप्रैल	एलएसजी बनाम जीटी, लखनऊ	11 मई	पीबीकेएस बनाम एमआइ , धर्मशाला
12 अप्रैल	एसआरएच बनाम पीबीकेएस, हैदराबाद	11 मई	डीसी बनाम जीटी, दिल्ली
13 अप्रैल	आरआर बनाम आरसीबी, जयपुर	12 मई	सीएसके बनाम आरआर, चेन्नई
13 अप्रैल	डीसी बनाम एमआइ , दिल्ली	13 मई	आरसीबी बनाम एसआरएच, बेंगलुरु
14 अप्रैल	एलएसजी बनाम सीएसके, लखनऊ	14 मई	जीटी बनाम एलएसजी, अहमदाबाद
15 अप्रैल	पीबीकेएस बनाम केकेआर, न्यू चंडीगढ़	15 मई	एमआइ बनाम डीसी, मुंबई
16 अप्रैल	डीसी बनाम आरआर, दिल्ली	16 मई	आरआर बनाम पीबीकेएस , जयपुर
17 अप्रैल	एमआइ बनाम एसआरएच, मुंबई	17 मई	आरसीबी बनाम केकेआर, बेंगलुरु
18 अप्रैल	आरसीबी बनाम पीबीकेएस, बेंगलुरु	18 मई	जीटी बनाम सीएसके, अहमदाबाद
19 अप्रैल	जीटी बनाम डीसी, अहमदाबाद	18 मई	एलएसजी बनाम एसआरएच, लखनऊ

20 मई को क्वालीफायर एक और 21 मई को एलिमिनेटर हैदराबाद में होगा. 23 मई को क्वालीफायर-दो और 25 मई को फाइनल मुकाबला कोलकाता में होगा.

महाकुंभ की दो ट्रेनों के रद्द होने से भीड़ हो गयी बेकाबू, हादसे पर प्रधानमंत्री ने शोक जताया

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन

यात्रियों की भीड़ से मची भगदड़, 18 की मौत

नयी दिल्ली । नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या 18 हो गयी है. इनमें नौ बिहार के हैं. मरने वालों में नौ महिलाएं, चार पुरुष और पांच बच्चे हैं. बिहार के जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें समस्तीपुर और नवादा के दो-दो तथा पटना, वैशाली, बक्सर, सारण व मुजफ्फरपुर का एक-एक व्यक्ति शामिल है. बिहार के इन लोगों में चार महिलाएं, चार बच्चे और एक पुरुष है. हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है. रेलवे ने मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की है. वहीं, मामले की जांच शुरू कर दी गयी है. इन सबके बीच, विपक्ष रेलवे की व्यवस्था को लेकर सवाल पूछ रहे हैं. लोगों में भी गुस्सा है और वे जिम्मेदारी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

दो सदस्यीय समिति कर रही जांच. रेलवे ने घटना की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति बनायी है. इसमें उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक नरसिंह देव और उत्तर रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त पंकज गंगवार शामिल हैं. वहीं, दिल्ली पुलिस ने भी अपने तौर पर घटना की जांच शुरू कर दी है.

हर तरफ था भयावह नजारा, मची थी चीख-पुकार : एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, हर जगह सामान बिखरे पड़े थे- कहीं चप्पल, कहीं आधा खाया हुआ खाना, तो कहीं टूटी हुई चूड़ियां. यहां तक कि एक बच्चे का स्कूल बैग भी था. किसी को अपना सामान उठाने का समय नहीं मिला.

10 से ज्यादा घायल, जांच के आदेश, प्लेटफॉर्म 14 और 15 पर हुई घटना

अत्यधिक भीड़ के कारण स्थिति बेकाबू हुई

पुलिस उपायुक्त (रेलवे) ने आधिकारिक बयान में बताया कि जब प्रयागराज एक्सप्रेस ट्रेन प्लेटफार्म संख्या 14 पर खड़ी थी, तब वहां कई लोग मौजूद थे. स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस देरी से चल रही थीं और इन ट्रेनों के यात्री भी प्लेटफार्म नंबर 12, 13 और 14 पर मौजूद थे. रेलवे द्वारा हर घंटे 1,500 सामान्य टिकट बेचे जा रहे थे, जिसके कारण स्टेशन पर भीड़ बढ़ गयी और स्थिति बेकाबू हो गयी. प्लेटफॉर्म नंबर 14 और प्लेटफॉर्म नंबर 16 के पास एस्केलेटर के पास भगदड़ मच गयी. हालत ऐसी थी कि ट्रेन के अंदर से यात्रियों को टांग कर निकाला गया.

दिल्ली भगदड़ के बाद अलर्ट मोड पर बिहार के रेलवे स्टेशन सैकड़ों टिकट हुए कैंसिल

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात को मची भगदड़ में मौत का तांडव दिखा तो रेलवे भी अलर्ट मोड पर है. बिहार के रेलवे स्टेशनों को भी अलर्ट किया गया है. समस्तीपुर डिवीजन के हर मेजर स्टेशन अलर्ट मोड पर है. पार्सल बुकिंग पर रोक लगा दी गयी है. वहीं दिल्ली में भगदड़ के कारण भागलपुर से खुलने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस को कैंसिल कर दिया गया है. भागलपुर जंक्शन पर 300 से अधिक यात्रियों ने काउंटर पर जाकर अपना टिकट कैंसिल कराया. प्रयागराज महाकुंभ में स्नान करने की होड़ लगी है. महाकुंभ समापन की ओर है लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है. विक्रमशिला एक्सप्रेस को रविवार को भी रद्द करना पड़ा. इसबार नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात को हुई भगदड़ के कारण भागलपुर जंक्शन से खुलने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस को रद्द करना पड़ा.

आंखों देखी. यात्रियों ने बताया भयानक मंजर

एफओबी पर बेहोश पड़े लोग हर तरफ बिखरे बैग-चप्पल

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 14 और 15 पर शनिवार देर रात मची भगदड़ के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें सीढ़ियों पर जूते-चप्पल और कपड़े बिखरे हुए दिख रहे हैं. वहीं, प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ है. कुछ यात्री सीढ़ियों और फर्श पर बेहोशी की हालत में पड़े हुए हैं. कुछ लोग

बेहोश यात्रियों की मदद करते दिख रहे हैं. दिल्ली के संगम विहार निवासी एक परिवार ने बताया कि हम एक घंटे तक भीड़ में दबे रहे. बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचायी. एक महिला यात्री ने कहा कि यहां पैर रखने की जगह भी नहीं थी. जिनका टिकट नहीं था, वो आराम से जाकर ट्रेन में बैठे थे और जिनका टिकट नहीं था, वो बाहर खड़े थे. एक पुलिसकर्मी ने कहा कि जान प्यारी है, तो जान बचाकर चले जाओ. एक यात्री ने कहा कि मैं अंदर ही था, जब भगदड़ मची, लोग एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गये. धक्कामुक्की हो गयी. मैं तो सीढ़ियों से दूर हट गया, लोगों ने धक्का मारना शुरू कर दिया. मैंने कुछ लोगों को भीड़ से बाहर निकाला. दूसरे यात्री ने कहा कि हम तो ट्रेन में चढ़ कर उतर आये. स्टेशन पर ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने कहा कि प्लेटफॉर्म नंबर 15 की सीढ़ियों से लोग नीचे गिर गये.

एस्केलेटर के पास मची भगदड़ : पुलिस सूत्रों ने बताया कि जब प्रयागराज एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर खड़ी थी, तब प्लेटफॉर्म पर काफी लोग मौजूद थे.

स्टेशन पर थी भारी भीड़, पैर रखने तक की नहीं थी जगह

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शाम सात बजे से ही बड़ी संख्या में यात्रियों का पहुंचना शुरू हो गया है. 12 से लेकर 16 नंबर प्लेटफॉर्म तक पर यात्रियों के बेकाबू भीड़ जमा हो गयी. फुटओवर ब्रिज पर भी काफी भीड़ थी. ट्रेन में चढ़ने के दौरान धक्का-मुक्की होने लगी, जिसके बाद स्थिति खराब हो गयी. नयी दिल्ली से कानपुर सेंट्रल के लिए चलने वाली शिव गंगा एक्सप्रेस ट्रेन को पकड़ने के लिए प्लेटफार्म नंबर 12 पर अचानक से यात्रियों ने रुख किया. देखते ही देखते प्लेटफार्म नंबर 12 और 13 पूरी तरह से भर गये. वहीं, प्रयागराज के लिए जाने वाली अन्य ट्रेनों को पकड़ने के लिए प्लेटफार्म नंबर 14 समेत अन्य प्लेटफार्म पर भी यात्रियों की भीड़ जुटने लगी.

स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर राजधानी लेट थीं. इन ट्रेनों के यात्री भी प्लेटफॉर्म नंबर 12,13 और 14 पर थे. रेलवे द्वारा हर घंटे 1500 जनरल टिकट बेचे गये, इसलिए भीड़ बेकाबू हो गयी. प्लेटफॉर्म नंबर-14 और प्लेटफॉर्म नंबर 16 के पास एस्केलेटर के पास भगदड़ मच गयी.

यात्री बोले- प्रशासन की लापरवाही से भीड़ बढ़ी. यात्रियों ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर यात्री एक-दूसरे पर चढ़ गये. पीछे से आ रहे लोगों को रोका नहीं गया, जिसकी वजह से भीड़ और बढ़ती गयी. कम-से-कम एक घंटे तक ऐसे हालात बने रहे.

यामी का खुलासा फिल्म में सबसे मुश्किल गालियां देना था

आदित्य और मैं एक दूसरे को सशक्त बनाते हैं

मुझे लगता है कि एक अच्छा रिश्ता वह होता है जहां आप एक-दूसरे को सशक्त बनाते हैं. हम एक ही फील्ड से ताल्लुक रखते हैं. मैं स्क्रीन पर हूं और वह लेखक, निर्देशक और निर्माता हैं. मैं मानती हूं कि उरी में उन्होंने मुझे इस भूमिका में कास्ट करके उस पैटर्न को तोड़ा, जिसमें लोग मुझे बेचारी लड़की की ही भूमिका दे रहे थे, लेकिन मैं बताना चाहूंगी कि मैं वही अभिनेत्री हूं ,जिसने विक्की डोनर जैसी फिल्म से डेब्यू किया था लेकिन लोग उसे भूल गए. उन्होंने उस पैटर्न को तोड़ा लेकिन काबिलियत मेरे अंदर थी. मैं एक उदाहरण से इस बात को समझाना चाहूंगी. एक बार चार-पाँच स्टूडेंट्स को छोड़कर हम सभी गणित में फेल हो गए थे. बहुत कठिन पेपर आया था. जिस लड़की ने क्लास में टॉप किया, उसकी माँ एक गणित की शिक्षिका थी और हर कोई इस बात का ज़िक्र कर रहा था. वह मेरी दोस्त नहीं थी, इसलिए मैंने उसके बारे में ज़्यादा नहीं सोचा, लेकिन दसवीं तक वह हर वक़्त गणित में अव्वल रही.

ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स पर बीते 14 फरवरी से फिल्म धूम धाम इनदिनों स्ट्रीम कर रही है. इस एक्शन कॉमेडी फिल्म में परदे पर यामी गौतम धर और प्रतीक गांधी की जोड़ी बनी हुई है. मदरहुड के बाद अभिनेत्री यामी गौतम धर ने इस फिल्म से वापसी की है.

बाइक चलानी सीखी. इस फिल्म में जो कोयल का किरदार है .मैंने इस तरह का किरदार कभी नहीं किया था. वह मुझसे निजी जिंदगी में काफी अलग है. किरदार को सही तरह से पकड़ने के लिए मैंने स्क्रिप्ट रीडिंग कई बार किया. इस फिल्म में मैं बाइक चलाते हुए नजर आ रही हूं. इस फिल्म से पहले मैंने कभी बाइक नहीं चलायी थी. वो भी हार्ले डैविडसन, जिस वजह से मुझे ट्रेनिंग लेनी पड़ी .इस फिल्म की शूटिंग रात में ज्यादातर हुई है,इसलिए मुझे सुबह बाइक की क्लासेज लेनी पड़ती थी .थैंक गॉड मैंने फिल्म के शॉट में अच्छी तरह से बाइक चला ली.

गाली देने को लेकर बहुत असहज हो गयी थी. इस फिल्म में मेरा किरदार बहुत ही बोल्ड और बिंदास है. जो जमकर गालियां बकती भी नजर आ रही हैं. सच कहूं तो मोनोलॉग वाले सीन में गाली देने के उस सीक्वेंस की शूटिंग को लेकर मैं बहुत असहज थी .मैंने अपनी जिंदगी में कभी गाली नहीं दी है .मोनोलॉग की प्रैक्टिस करते हुए सब आसानी से बोल ले रही थी ,लेकिन वो गालियां नहीं आ रही थी. मैं कैसे गाली बक सकती हूं. क्या संवाद में बदलाव हो सकते हैं, जिसके बाद आदित्य से मैंने बात की .आदित्य ने समझाया कि यामी गाली नहीं दे रही है बल्कि फिल्म में कोयल का किरदार गाली दे रही है और यह सीन की डिमांड है. आदित्य को मुझे कन्विंस करने में एक से दो घंटे चले गए थे. उसके बाद मैं सीन की शूटिंग को तैयार हो गयी थी और अगले दिन एक टेक में ही वह सीन पूरा कर दिया था हालांकि निर्देशक ऋषभ ने मुझे चिढ़ाने के लिए कहा कि फिर से ये टेक करना पड़ेगा .सच कहूं तो मैं गाली गलौज वाले शोज और फिल्मों से दूर ही रहना पसंद करती हूं.

एक्शन जैक्शन के गाने से फिल्म का शीर्षक प्रेरित नहीं. 2014 में रिलीज हुई मेरी अजय देवगन के साथ फिल्म एक्शन जैक्सन का गीत बस तेरी धूम धाम है .फिल्म के लोकप्रिय गीतों में शुमार रहा है. लेकिन वह गीत इस फिल्म के शीर्षक की प्रेरणा नहीं है. इसका विषय ऐसा है इसलिए फिल्म का यह नाम रखा गया है. वैसे मुझे नहीं लगता कि आदित्य मुझसे इतना ज्यादा प्यार करते हैं कि उन्होंने वह फिल्म देखी होगी और वह गाना उन्हें याद होगा. वैसे उस गाने की बात करूं तो अब वो ज्यादा पॉपुलर हो गया है. (हंसते हुए) उस गाने की शूटिंग मेरे लिए आसान नहीं थी. मैं झाड़ियों से भाग रही हूं। मैंने साड़ी उस गाने में पहनी हुई थी. अजय सर सिर्फ एक जगह पर खड़े होकर ऊँगली दो उठाकर नाच कर चले जा रहे थे और मैं भागा भागी कर रही हूं.

प्रतीक कमाल के को एक्टर. प्रतीक की बात करूं तो उनके पास डेट्स नहीं होती है. वह बहुत व्यस्त रहते हैं. वह सेट पर कहीं से आ रहे होते थे. कई बार ट्रैफिक में वह कार को छोड़कर पैदल पहुंच जाते थे. उनके जैसे अभिनेताओं के साथ काम करने की खूबसूरती यह है कि वह अपने बारे में नहीं सोचते, वह सीन को बहुत कुछ देने की कोशिश करते हैं. वह अद्भुत हैं और वह बहुत धैर्यवान अभिनेता हैं और ऐसा करना आसान बात नहीं है. वह हर किसी के लिए मौजूद रहते हैं .उनकी जिंदगी में ईगो के लिए कोई जगह नहीं है.

क्या कृति रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग जल्द लेंगी सात फेरे?

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. एक्ट्रेस के लंबे वक्त से बिजनेसमैन कबीर बहिया संग अफेयर की खबरें तेज हैं. हालांकि, इन दोनों ने अपने रिलेशनशिप को कभी कंफर्म नहीं किया, लेकिन अक्सर पार्टी या इवेंट्स में साथ में स्पॉट होते हैं. कपल बीते दिन एक शादी में साथ स्पॉट हुए थे, जिसमें दोनों को एक साथ चिल करते हुए देखा गया था. ऐसे में अब जल्द ही यह दोनों एक साथ शादी के बंधन में बंध सकते हैं. हाल ही में दोनों को एयरपोर्ट पर साथ में स्पॉट किया गया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लव बर्ड्स पेरेंट्स से मिलने दिल्ली जा रहे हैं. कृति सेनन और कबीर बहिया फैमिली से मिलने के लिए दिल्ली गए हैं. कपल हाल ही में एयरपोर्ट पर साथ में स्पॉट किया गया. इस बीच कृति ने ब्लैक मास्क, ब्लैक चश्मा और कैप भी पहनी थी. एक्ट्रेस ने अपने लुक को ब्लैक जैकेट और डेनिम जींस से कंप्लीट किया. वहीं, कबीर बहिया भी ऑल ब्लैक लुक में काफी स्मार्ट दिखाई दिए. दोनों लव बर्ड्स 'कपल गोल्स' दे रहे थे. रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कबीर और कृति शादी की खबरों के बीच पेरेंट्स से मिलने के लिए गए हैं और इस साल 2025 के अंत तक दोनों शादी के बंधन में बंध सकते हैं. कृति सेनन के वर्क फ्रंट की बात करें तो कृति आखिरी बार नेटफ्लिक्स की फिल्म 'दो पत्ती' में नजर आए थे. यह फिल्म एक्ट्रेस की पहली प्रोड्यूस की गई फिल्म थीं.

खत्म हुआ इंतजार, इस दिन आ सकता है सिकंदर का ट्रेलर, सलमान खान का दिखेगा एक्शन ही एक्शन

सुपरहिट फिल्मों के निर्माता साजिद नाडियाडवाला इस बार अपना जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाने वाले हैं. 18 फरवरी को उनके जन्मदिन के मौके पर फैंस और सिनेमा प्रेमियों के लिए एक बड़ा सरप्राइज़ आने वाला है. सोशल मीडिया पर इस खुलासे को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है. इससे पहले, सलमान खान के जन्मदिन पर 'सिकंदर' का टीजर रिलीज हुआ था, जिसे देखकर फैंस क्रेजी हो गए थे. अब 'सिकंदर' को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है, क्योंकि फैंस कयास लगा रहे हैं कि साजिद नाडियाडवाला के जन्मदिन पर फिल्म का नया लुक, मोशन पोस्टर या फिर ट्रेलर रिलीज़ किया जा सकता है. सलमान खान स्टारर 'सिकंदर' को 2025 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बताया जा रहा है .इस फिल्म का निर्देशन ए .आर. मुरुगदास कर रहे हैं और इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. साथ ही, फिल्म में शरमन जोशी, सत्यराज और प्रतीक बब्बर भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे. 'सिकंदर' इस साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

राष्ट्र संवाद
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
Website : www.rashtrasamvad.com ● RNI No. : JHAHIN/2014/63781

संपादक	:	देवानंद सिंह
प्रबंधक संपादक	:	रश्मि सिंह
कार्यकारी संपादक	:	विजय शंकर मिश्रा
समन्वयक संपादक	:	रत्नेश कुमार, अमन कुमार
महाप्रबंधक	:	धीरज कुमार सिंह
प्रभारी बिहार, झारखंड	:	निजाम खान
बिहार ब्यूरो प्रमुख	:	चन्दन कुमार शर्मा
विशेष संवाददाता	:	प्रकाश सिंह, जितेन्द्र शर्मा, जेपी सिंह
कार्यालय प्रभारी	:	ज्योति मिश्रा

- राष्ट्र संवाद में प्रकाशित सामग्री पर सर्वाधिकार सुरक्षित। लेखकों के मतों एवं कथनों के लिए संपादक व प्रकाशत की अनुमति अनिवार्य नहीं। सभी विवादों का निपटारा जमशेदपुर न्यायिक क्षेत्र में ही किया जायेगा। छायाचित्र एवं अन्य सामग्रियां भी अन्य पत्र-पत्रिकाओं से साभार।
- स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक देवानंद सिंह द्वारा चंदू प्रेस, 63 पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-92 से मुद्रित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद, 66 गोलमुरी बाजार, जमशेदपुर - 3 से प्रकाशित।
- फोन : **0657-2341060**
- मोबाइल : **09431179542/09334823893/07739802044**